

एमपी स्टेट बार काउंसिल चुनाव : 86 प्रत्याशियों का एलिमिनेशन पूरा

## पांच बार चेयरमैन, नौ बार सदस्य रहे रामेश्वर नीखरा भी एलिमिनेट

जबलपुर। एमपी स्टेट बार काउंसिल निर्वाचन-2026 की द्वितीय चरण की मतगणना में एलिमिनेशन राउंड का 17 वां दिन पूरा हुआ। दो प्रत्याशियों का एलिमिनेशन हुआ। इनमें क्रमांक 90 रामेश्वर नीखरा (गाडरवारा) और क्रमांक 122 हरीश कुमार द्विवेदी (सतना) शामिल हैं। वहीं क्रमांक 20 आशीष उपाध्याय (उज्जैन) की शेष काउंटिंग भी पूरी की गई। अब तक कुल 122 प्रत्याशियों में से 86 प्रत्याशी चुनाव प्रक्रिया से बाहर हो चुके हैं। क्रमांक 89 राकेश सिंह भदौरिया (इंदौर) कोटा पूरा कर चुके हैं, इसलिए उन्हें निर्वाचित माना जाएगा।



रामेश्वर नीखरा का एलिमिनेशन महत्वपूर्ण रहा। वे परिषद के नौ बार सदस्य और पांच बार चेयरमैन रह चुके हैं। मतगणना में यह सवाल भी बना हुआ है कि कोटा

निर्धारण के लिए 23+1 या 18+1 का फार्मूला अपनाया जाए। प्रत्याशियों की ओर से दोनों पक्षों में तर्क दिए जा रहे हैं। इस संबंध में हाई पावर्ड इलेक्शन सुपरवाइजरी कमेटी, नई दिल्ली से मार्गदर्शन मांगा गया है। निर्देश मिलने के बाद उसी के अनुसार मतगणना आगे बढ़ेगी। अब तक पुरुष प्रत्याशियों में अखिलेश कुमार सक्सेना, संदीप मेहता, विवेक सिंह, आरके सिंह सैनी और नित्यानंद मिश्रा बढूत में हैं। महिला प्रत्याशियों में अन्नू पटेल और प्रवीण तिवारी मैदान में हैं। अंतिम पांच महिला प्रत्याशियों के आरक्षण संबंधी प्रविधान के अनुसार चयन किया जाएगा।

## निर्मला चर्च में नवीना प्रार्थना के तीसरे दिन हुआ ध्वाजारोहण



जबलपुर। कांचघर स्थित निर्मला चर्च में वेलांकन्नी माता के सम्मान में चल रही नवीना प्रार्थना के तीसरे दिन ध्वजारोहण एवं मिस्सा बलिदान का आयोजन किया गया। मुख्य याजक फा. डेविन वलापेली, प्राचार्य सेंट एलायसियस स्कूल ने ध्वजारोहण कर मिस्सा बलिदान अर्पित किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि माता मरियम अपने जीवन के माध्यम से प्रेम, विनम्रता, सेवा और ईश्वर की आज्ञाकारिता का संदेश देती हैं। उनका जीवन मानवजाति के उद्धार के लिए

प्रेरणादायी है और वे मुक्ति के मार्ग पर विशेष भूमिका निभाती हैं। आयोजन सीएमएस कंपाउंड के विश्वासियों के सहयोग से हुआ। इसमें पल्ली परिषद के क्रिस्टोफर एंथोनी, नूतन साइमन ऑगस्टीन, जेफिफर डिसूजा, लोरेंस बर्नाबास, वसील तिग्गा सहित क्षेत्र के श्रद्धालु उपस्थित रहे। पल्ली पुरोहित फा. जेवियर फ्रांसिस, सचिव शैलेश जॉर्ज, मनोज एंथोनी एवं अल्बर्ट एंथोनी ने श्रद्धालुओं से अधिक संख्या में शामिल होकर आत्मिक लाभ लेने की अपील की।

### मेधावी विद्यार्थियों के खातों में पहुंचे 25-25 हजार रुपये



25-25 हजार रुपये भेजे गए हैं, जिसका उपयोग वे लैपटॉप खरीदने के लिए कर सकेंगे। भोपाल में आयोजित मुख्य समारोह में जबलपुर के मेधावी विद्यार्थी ओम चौकसे और शिवांगी नागदेव को मुख्यमंत्री ने प्रत्यक्ष रूप से लैपटॉप प्रदान किए। पीडित लज्जा शंकर झा मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह ‘अन्नू’, विधायक अशोक रोहाणी, डॉ. अभिलाष पांडे, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, संयुक्त संचालक घनश्याम सोनी एवं जिला शिक्षा अधिकारी गौतम वबें उपस्थित रहे।

### जबलपुर में देश के पहले ‘इवॉल्विंग चैप्टर’ का शुभारंभ



मॉडल बनेगी। जबलपुर चैप्टर मध्यप्रदेश का तीसरा चैप्टर है। उन्होंने बताया कि चैप्टर क्षेत्र के 100 से अधिक कंपनी सेक्रेटरीज को प्रशिक्षण, सेमिनार, तकनीकी सत्र, ज्ञान-विनिमय एवं नेटवर्किंग का मंच देगा। सीएस विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन और प्रशिक्षण के अवसर भी मिलेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय परिषद सदस्य सीएस आशीष करोदिया, क्षेत्रीय परिषद सदस्य सीएस अनुराग गंगराडे, पूर्व अध्यक्ष सीएस जंजीत पांडे, चेयरमैन सीएस तनवीर सिंह सलूजा, वाइस चेयरमैन सीएस धवल श्रीवास्तव एवं सचिव सीएस उत्सव सिंह उपस्थित रहे। सीएस रंजीत पांडे ने तकनीकी सत्र को संबोधित किया।

### वैश्य महासम्मेलन में 102 नए सदस्यों ने ली सदस्यता



कार्यकारी अध्यक्ष संदेश जैन ने संगठन की कार्ययोजना, जबकि प्रदेश महामंत्री एवं संभागीय प्रभारी सुनील कोठारी ने स्वागत उद्बोधन दिया। संभागीय अध्यक्ष संजय साहू ने संगठन की गतिविधियों की जानकारी दी। सम्मेलन में करीब 200 पदाधिकारी एवं समाजबंधु शामिल हुए तथा 102 नए सदस्यों ने सदस्यता ग्रहण की। दूसरे चरण में जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष संदीप जैन एवं संभाग की नगर पालिकाओं व नगर परिषदों में मनोनीत 21 वैश्य पार्षदों का सम्मान किया गया। सम्मेलन में ज्योति जैन, आभा साहू, साधना बड़कुल, राजेश अग्रवाल, विमल जैन, अजय जैन, जिनेंद्र देव गुप्ता, अतुल चौरसिया सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। संचालन रामजी अग्रवाल एवं आभार जितेंद्र गुप्ता ने व्यक्त किया।

जबलपुर। वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के जबलपुर संभागीय पदाधिकारी सम्मेलन का आयोजन स्थानीय होटल में हुआ। मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल ने कहा कि समाज की गतिवियों को स्वीकार कर उनमें सुधार करना आने वाली पीढ़ियों के लिए सकारात्मक संदेश है। अध्यक्षता प्रदेश उपाध्यक्ष भगवान दास अग्रवाल ने की। प्रदेश

युवती पर अश्लील कमेंट करने वाले को 2 साल की कैद

जबलपुर। अपर सत्र न्यायाधीश महिमा कछवाहा ने युवती पर अश्लील कमेंट करने वाले मादोताल निवासी छोट्टू उर्फ रवि यादव को 2 साल की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी पर 300 रुपए अर्थदंड भी लगाया है। अभियोजन के अनुसार 12 जुलाई 2025 को एक युवती के रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपनी बहन के साथ बाजार जा रही थी। तभी रास्ते में रोककर छोट्टू उर्फ रवि यादव ने उस पर अश्लील कमेंट किए। विरोध करने पर उसके साथ वाली-गालीज की। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया। अपर लोक अभियोजक संजय वर्मा के तर्क सुनने के बाद न्यायालय ने आरोपी को सजा सुनाई।

हत्यारे को उमकैद, 11 हजार रुपये का जुर्माना

जबलपुर। जिला अदालत ने हत्या के आरोपी मनीष उर्फ कारण उर्फ काला चौधरी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश अनिल चौहान की अदालत ने आरोपी पर 11 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक लहर दीक्षित ने पक्ष रखा। अभियोजन के अनुसार मादोताल थाना क्षेत्र के ग्राम रेगवा में पुरानी रंजिश के चलते 19 वर्षीय आरोपी मनीष उर्फ कारण उर्फ काला चौधरी ने एक बालक के साथ मिलकर 17 सितंबर 2024 की रात करीब 10 बजे विकास बंजारा की चाकू से गोदकर हत्या कर दी थी। मादोताल पुलिस ने हत्या सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर विवेचना के बाद न्यायालय में चालान पेश किया। विचारण के दौरान प्रस्तुत गवाहों और साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास और अर्थदंड से दंडित किया।

### पालीवाल कॉलोनी में जलभराव से लोग परेशान, घरों में घुस रहा पानी

सिहोरा। नगर पालिका क्षेत्र की पालीवाल कॉलोनी में जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने से रहवासी परेशान हैं। बारिश के दौरान सड़कों पर पानी भरने के साथ घरों में भी पानी घुस जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दो वर्ष पूर्व विधायक ने ट्रैक्टर पर बैठकर क्षेत्र का निरीक्षण कर समस्या के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्ययोजना नहीं बन सकी। रहवासियों ने आरोप लगाया कि बरसाती पानी की निकासी के पुराने नाले के बहाव क्षेत्र में प्लांटिंग और पक्के मकान बनने से पानी का रास्ता अवरुद्ध हो गया है। जलभराव के कारण जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा भी बना रहता है। सड़कें कीचड़युक्त होने से बच्चों का स्कूल जाना और मरीजों को अस्पताल पहुंचाना मुश्किल हो जाता है। खराब सड़क व जलभराव के कारण दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका एवं जनप्रतिनिधियों से सड़क निर्माण और स्थायी जल निकासी व्यवस्था कराने की मांग की है।

#### मिलावट की आशंका पर पैकड दूध का सैपल भोपाल भेजा

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने दूध एवं दुग्ध उत्पादों में मिलावट की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मिल्क टैस्टरिंग किट के माध्यम से बाजार में बिक रहे खुले और पैकड दूध के नमूनों की जांच की। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता के अनुसार जांच के दौरान खुले दूध के किचड़ी भी नमूने में मिलावट नहीं मिली। वहीं पैकड मिल्क के एक नमूने में आंशिक मिलावट की आशंका पाए जाने पर करमेता स्थित जैव डेयरी से सैपल लिया गया है। नमूने को विस्तृत परीक्षण के लिए भोपाल भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## मझौली-जबलपुर रोड पर सड़क के ऊपर बह रहा पानी, राहगीर परेशान

मझौली। नगर के मुख्य मार्ग मझौली-जबलपुर रोड पर जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने से बारिश के दौरान सड़क पर पानी बहने और जलभराव की समस्या बनी हुई है। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पैदल चलने वालों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क किनारे पानी की निकासी के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने

19 किलो वजनी सिलेंडर के दाम में जनवरी से अब तक 1,056.50 रुपए की बढ़ोतरी जबलपुर। होटल, रेस्टोरेट, दाबे और अन्य व्यावसायिक प्रतिक्रियों को अब 19 किलो वजन की शिलेंडर 2757 रुपए में मिलेगा। क्योंकि तेल विपणन कंपनियों द्वारा इक्की कीमत में मूल्य वृद्धि कर दी है। अतः मप्र के ज्यादातर शहरों में 9.50 रु की मूल्य वृद्धि के साथ में अब यह सिलेंडर 2,757 रुपए में मिलेगा, जो पहले यानी अगस्त में 2,747.50 रुपए थी। एलपीजी डिस्ट्रिब्यूटर्स आरके गुप्ता ने बताया कि जनवरी 2026 से अब तक भोपाल में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर करीब 1,056 रुपए महंगा हो चुका है। जनवरी में 19 किलो के सिलेंडर की करीब कीमत 1,696 रुपए थी, जो सितंबर में बढ़कर 2,757 रुपये हो गई है।

## शहपुरा टोल पर अस्थायी रूप से टोल वसूली बंद होगी: मंत्री राकेश सिंह

जबलपुर। लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह ने मंगलवार को NHAI की निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित सड़क परियोजनाओं की समीक्षा की। भोपाल-जबलपुर मार्ग पर शाहपुर रेलवे ब्रिज क्षतिग्रस्त होने से यातायात डायवर्ट किए जाने के कारण शहपुरा (भिटौनी) टोल पर स्थानीय लोगों में असंतोष को देखते हुए मंत्री ने टोल कलेक्शन अस्थायी रूप से बंद करने के निर्देश दिए। बैठक में जबलपुर रिंग रोड के पांच पैकेजों की समीक्षा करते हुए चार पैकेज दिसंबर 2026 और पांचवें पैकेज का कार्य जून 2027 तक पूरा करने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने जबलपुर-दमोह मार्ग की आवश्यक मरम्मत शीघ्र शुरू कराने को कहा। साथ ही भोपाल-इंदौर तथा उज्जैन-झालावाड़ ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे की स्वीकृति प्रक्रिया में तेजी लाने

के निर्देश दिए। उज्जैन-गरोठ मार्ग की निर्माण गुणवत्ता पर भी मंत्री ने गंभीरता जताते हुए जांच एवं नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता, रखरखाव, सड़क सुरक्षा और समयबद्ध निर्माण पर विशेष जोर दिया।

### पुणे-हड़पसर थर्ड लाइन कार्य से पश्चिम मध्य रेल की 6 ट्रेनें प्रभावित

जबलपुर। मध्य रेल के पुणे मंडल में हड़पसर-पुणे रेलखंड की थर्ड लाइन कमीशनिंग के लिए पुणे एवं हड़पसर यार्ड में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य किया जाएगा। इसके चलते पश्चिम मध्य रेल से संबंधित छह ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है। गाड़ी संख्या 20162 जबलपुर-पुणे एक्सप्रेस 20 सितंबर तथा 22172 रानी कमलापति-पुणे एक्सप्रेस 3 अक्टूबर को पुणे के बजाय दौंड जंक्शन तक संचालित होगी। वहीं 20161 पुणे-सितंबर को 45 मिनट तथा 1 अक्टूबर को 1 घंटे 45 मिनट री-शिड्यूल रहेगी। यात्रियों से यात्रा से पूर्व N'TES, रेल मदद 139 या रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट से ट्रेन की स्थिति की जानकारी लेने की अपील की गई है।

## जन्माष्टमी पर यादव महासभा निकालेगी भव्य शोभायात्रा

जबलपुर। यादव महासभा जबलपुर के तत्वावधान में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 2 सितंबर को युवा यादव महासभा एवं युवा यादव ब्रिगेड द्वारा एल्विन हॉस्पिटल में सुबह 10 बजे रक्तदान शिविर होगा। 3 सितंबर को मंगली में सुबह 11 बजे पूज्य दादा गुरु भैया जी सरकार के सानिध्य में वृक्षारोपण किया जाएगा। 4 सितंबर को श्री सनातन धर्म तिराहा (पुराना बस स्टैंड) से भव्य शोभायात्रा निकलेगी, जो नगर निगम चौक, मालवीय चौक, लॉर्डगंज, बड़ा फुहार, कमानिया गेट, कोतवाली, मिलोनीगंज होते हुए भान तलैया पहुंचेगी। शोभायात्रा में भगवान श्रीकृष्ण, लड्डू गोपाल, राधा-कृष्ण, खाटू श्याम, गिरिराज जी, बांके बिहारी, गौमाता राष्ट्रमाता सहित आकर्षक झांकियां, अहीर-आदिवासी नृत्य, अखाड़े,

अश्वरोही दल, बगियां व भजन मंडलियां शामिल होंगी। भरत सिंह यादव, सुभाष यादव, पूर्व विधायक संजय यादव, शिव यादव, राम कुमार यादव बड्डा, नरेश यादव, सुनील यादव, प्रदीप यादव सहित समाजजनों ने आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

## हर जोन में बनेगा एक आदर्श वार्ड चाकचौबंद होगी शहर की स्वच्छता व्यवस्था

जबलपुर। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने नगर निगम ने नई पहल शुरू की है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिंवार ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक एवं निरीक्षण के दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों और सफाई मित्रों को स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी मिलने पर जिम्मेदारों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। निगमायुक्त ने कर्मचारियों से भावुक अपील करते हुए कहा कि शहर को अपना घर समझकर कार्य करें। अपनेपन और जिम्मेदारी की भावना से काम करने पर स्वच्छता व्यवस्था स्वतः बेहतर होगी। शहर में स्वच्छता के नए मानक स्थापित करने के लिए प्रत्येक जोन में एक-एक वार्ड को ‘आदर्श वार्ड’ के रूप में विकसित किया जाएगा। इन वार्डों में बेहतर सफाई, कचरा प्रबंधन और सौंदर्यीकरण के मानक स्थापित किए जाएंगे, ताकि अन्य वार्ड भी उनसे प्रेरणा लेकर अपनी व्यवस्था में सुधार कर सकें।

#### आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे एकादश भ्राता श्री शिव कुमार सोनी पिता श्री बी. एन. सोनी द्वारा मोबा. नं. 9328/46 पदवीय हस्ता. नं. 27/34/16 तथा 20 रा. नि. नं. जबलपुर तह. गोरखपुर व जिला जबलपुर में स्थित भूमि खसरा नं. 11/8 का कुल कर्षात रकबा 47.5 फुट बाई 125 फुट ऐरिया 5937.5 वर्गफुट खाली भूमि के भूस्वामी श्री विनय कुमार साहू, पिता श्री रामकुमार साहू निवासी - ओ.आर. 425, इंडस स्ट्रीटलाईट ग्रीन कलॉड हाल मंगलिया विजय नगर इंदौर हात्सुकाम नं. 497 बह -1, किण्व कुज न्यू राम नगर रामपुर तह. व जिला जबलपुर के बीच अनुबंध निष्पादित कराया गया है। निम्नलिखित में विनय विलेख का निष्पादन कराया जाना है। अतः उक्त वगणित के संबंध में किसी भी व्यक्ति, वैक, वित्तीय संस्था, शासकीय विभाग आदि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो या कोई भी उक्त संपत्ति पर अपना हित या दावा रखता हो तो वह दैनिक समाचार प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस के अंदर अपनी आपत्ति नीचे लिखे पते पर दर्तावेज के साथ प्रस्तुत करें, उक्त समयवाधि तक किसी भी प्रकार की आपत्ति प्रस्तुत न होने की दशा में मेरे एकादश ऊक्त संपत्ति के विक्रय पर का निष्पादित कराने हेतु स्वतंत्र होंगी, तत्पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति या दावा माफ नहीं होगा और न ही मेरे एकादश पर बंधनकारी रहेगा।

जबलपुर दिनांक - 31/08/2026

सार्क सूत्र मो. नं. - 9229262599

देवेन्द्र खरे (अधिकृत)

म. प्र. उच्च न्यायालय जबलपुर।

निवास : सरस्वती कालोनी चैरीतवाड वाई जबलपुर

ऑफिस : दुर्गम नं. 3 हॉट बाजार विजय नगर जबलपुर

मो. नं. : 9098038981, 9425863676



खबर संक्षेप

मिढासन नदी में युवक ने लगाई छलांग, पुल पर मिला मोबाइल

अमानगंज। नगर के वार्ड क्रमांक 8 निवासी 32 वर्षीय सुशील सोनी पिता कैलाश सोनी द्वारा मिढासन नदी के पुल से नदी में छलांग लगाने की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर युवक ने यह कदम उठाया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुल पर युवक का मोबाइल फोन मिला, जिसके बाद नदी में उसकी तलाश शुरू कराई गई। मौके पर लोगों की भीड़ भी जमा हो गई। पुलिस की मौजूदगी में रेस्क्यू टीम नाव के माध्यम से नदी में सर्वे ऑपरेशन चला रही है। युवक की तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंची और लगातार खोजबीन में जुटी है। फिलहाल युवक का कोई सुराग नहीं लग सका है। पुलिस मामले की जांच कर घटना के पीछे की वजह का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

युवक ने अज्ञात कारणों से लगाई फांसी, हुई मौत

नरसिंहपुर। ठेमी थाना क्षेत्र के ग्राम करकबेल में एक युवक द्वारा अज्ञात कारणों के चलते अपने ही घर में फांसी लगाकर खुदकुशी करने का मामला सामने आया है। घटना के वक्त परिजन घर में ही मौजूद थे, जबकि उसकी पत्नी रक्षाबंधन पर्व पर मायके गई हुई थी। ग्राम करकबेल निवासी 30 वर्षीय अजय पिता बिस्सु प्रजापति अपने कमरे में था। काफी देर तक कमरे से कोई आहट न मिलने पर परिजनों ने आवाज दी। अंदर से कोई प्रतिक्रिया न आने पर संदेह होने पर परिजनों ने खिड़की का कांच तोड़ा। अंदर झाने पर अजय लोहे के जंगले में साड़ी के फंदे से लटका दिखाई दिया। परिजनों ने तत्काल दरवाजा तोड़कर उसे नीचे उतारा। फंदे से उतारते वक्त अजय की सांसें चल रही थीं, जिस पर परिजन उसे तत्काल शासकीय जिला अस्पताल लेकर पहुंचे।

पूर्व सरपंच को 30 दिन का कारावास

डिंडोरी। मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 की धारा 92 के प्रावधानों के तहत ग्राम पंचायत रकरिया के पूर्व सरपंच शिवनंदन सिंह उईके के विरुद्ध 30 दिवस के कारावास का आदेश जारी किया गया है। यह कार्रवाई पंचायत निधि से संबंधित वित्तीय अनियमितता के मामले में निर्धारित राशि जमा नहीं किए जाने के बाद की गई है। प्रकरण के अनुसार प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत वर्ष 2017-18 में पोषक ग्राम सूरजपुरा में ग्राम चौपाल एवं सामुदायिक शौचालय निर्माण के लिए 2 लाख 50 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। दोनों कार्यों के लिए कुल 5 लाख रुपये का आहरण किया गया।

चित्रकूट बाढ़ आपदा सतना से उमड़ा संवेदनाओं का सैलाब, प्रशासन जन प्रतिनिधियों और सेवा संकल्प संस्थाओं ने बढ़ाये मदद के हाथ



सतना। चित्रकूट में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों की बेबसी और पीड़ा को देखते हुए सतना से राहत और सेवा का अनवरत सिलसिला जारी है। संकट की इस घड़ी में जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन, सामाजिक संगठन और व्यापारी तन-मन-धन से एकजुट होकर प्रभावितों तक राहत सामग्री और भोजन पहुंचा रहे हैं।

महापौर योगेश ताम्रकार ने रवाना किए राहत सामग्री से भरे वाहन

महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने चित्रकूट के बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री से लदे दो वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह सामग्री चित्रकूट जिला प्रशासन के माध्यम से जिला पंचायत सीईओ शैलेंद्र सिंह को सौंपी जाएगी, जो इसे प्रभावितों तक पहुंचाएंगे। 5 किंवदंल गेहूं, 2 किंवदंल चावल, 2 किंवदंल चना, 500 टी-शर्ट, 1000 जोड़ी जूते, 1000 महिला-पुरुष अंडरगार्मेंट्स, 1000 तौलिये और 500 रेनकोट। इससे पूर्व भी महापौर द्वारा 'सेवा संकल्प' के माध्यम से 1,000 भोजन पैकेट चित्रकूट भेजे जा चुके हैं।



विध्य विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष संजय तीर्थवानी का राहत अभियान

विध्य विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष संजय तीर्थवानी संकट के समय में एक संवेदनशील जनसेवक के रूप में चित्रकूट के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में डटे हुए हैं। संजय तीर्थवानी मित्र मंडल द्वारा नयागांव बाजार, केवटरा और भरतघाट जैसे गंभीर रूप से प्रभावित

क्षेत्रों में राहत सामग्री बांटी जा रही है। तीसरे दिन 500 कंबल और 500 गर्मागर्म भोजन पैकेटों का वितरण किया गया। इस अभियान की मुख्य विशेषता यह है कि संजय तीर्थवानी का पूरा परिवार व सहयोगी सतना में ताजा भोजन बनवाकर पैकेट तैयार कर रहे हैं, जिन्हें तत्काल चित्रकूट भेजकर वितरित किया जा रहा है। संजय तीर्थवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रेरणा से आपदा के समय राजनीति से ऊपर उठकर मानवता की सेवा करना ही सबसे बड़ा दायित्व है।

'सेवा संकल्प' संस्था बनी सहारा जिला अस्पताल की सेवाएं भी जारी

बाढ़ में अपना सबकुछ गंवा चुके परिवारों को संभल देने के लिए 'सेवा संकल्प' संस्था के कार्यकर्ता पुरैदी से जुटे हैं। संस्था द्वारा हजारों भोजन पैकेट योजना दोपहर 12 बजे चित्रकूट के लिए रवाना किए जा रहे हैं। बाढ़ राहत कार्य के साथ-साथ संस्था द्वारा सतना जिला अस्पताल परिसर में मरीजों के परिजनों के लिए नियमित भोजन वितरण सेवा भी बिना रुके जारी है।



चित्रकूट में मंदाकिनी का तांडव: बस्तियों में घुसा बाढ़ का पानी

सतना/चित्रकूट। जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते चित्रकूट में मंदाकिनी नदी उफान पर आ गई। जलस्तर तेजी से बढ़ने के कारण बाढ़ का पानी आरोग्यधाम घाट, लोसरिहा, केवटरा और नयागांव जैसी तटीय बस्तियों में प्रवेश कर गया, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस और पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह स्वयं मैदान में उतरे और पूरे प्रशासनिक अमले के साथ राहत व बचाव कार्यों की कमान संभाली।

एसडीआरएफ-एनडी आर एफ ने संभाला मोर्चा; पानी उतरते ही राहत-बचाव कार्य तेज



सड़कों पर नाव, रेस्क्यू ऑपरेशन और आश्रय

निचले इलाकों में पानी भरते ही प्रशासन ने लाउडस्पीकर से मुनादी करवाकर लोगों को अलर्ट किया। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोग्यधाम और केवटरा क्षेत्र में फंसे दर्जनों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। प्रभावितों के आवागमन के लिए 6 टैक्सियां रिजर्व की गईं, जबकि वन देवी आश्रम के दो हॉल खोलकर 100 से अधिक लोगों के ठहरने की व्यवस्था की गई। इसके अलावा सोहसास, रनेही और नयागांव क्षेत्र में प्रभावित परिवारों के बीच नाश्ते व भोजन का वितरण किया गया।



जैतवारा में भी संकट, 3 सितंबर तक स्कूल और कॉलेज बंद

जैतवारा नगर परिषद क्षेत्र में सेमरावल समेत तीन नदियों के उफान से वार्ड 6, 7 और 13 के जलमग्न घरों से लोगों को निकालकर रॉयल और बालाजी कॉम्प्लेक्स में शिफ्ट कराया गया। सुरक्षा के मद्देनजर रेलवे अंडरब्रिज समेत तीन प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग कर आवागमन बंद कर दिया गया है। वहीं, सतना नदी के कटाव के कारण अटरा-जिगनाहट मार्ग पूरी तरह बंद कर वैकल्पिक मार्ग लागू किया गया है। बिगड़ते मौसम और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने जिले के सभी स्कूलों, आंगनवाड़ियों और कॉलेजों में 3 सितंबर तक का अवकाश घोषित कर दिया है।

माई की मौत के बाद भागी के फर्जी हस्ताक्षर, देवर पर धोखाधड़ी का केस

छिंदवाड़ा। नरसिंहपुर रोड स्थित बसंत कॉलोनी में माई की मौत के बैंक खातों से कथित रूप से फर्जी हस्ताक्षर कर रकम ट्रांसफर करने का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद हैडराइटिंग एक्सपर्ट की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार बसंत कॉलोनी निवासी अमित सूचक के बड़े भाई रैतेश सूचक की 6 अप्रैल 2024 को हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। दोनों भाई ज्वाइंट व्यापार करते थे। आरोप है कि माई की मौत के बाद अमित बैंक खातों से जुड़े कामकाज देख रहा था और इसी दौरान उसने अपनी भाभी प्रीति के फर्जी हस्ताक्षर कर बैंक खातों से राशि ट्रांसफर की। मामले की शिकायत प्रीति द्वारा किए जाने के बाद पुलिस ने दस्तावेजों और हस्ताक्षरों की जांच हैडराइटिंग एक्सपर्ट से कराई। जांच रिपोर्ट में हस्ताक्षर फर्जी पाए जाने के बाद पुलिस ने अमित के खिलाफ धारा 420, 467, 468 और 471 भादवि के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस बैंक खातों के लेन-देन और अन्य दस्तावेजों की भी जांच कर रही है।



स्केटिंग करते हुए 12 ज्योर्तिलिंगों की यात्रा पर चल रहे झारखंड के अजय

नरसिंहपुर। झारखंड जिले के फुलवैया पंचायत से स्केटिंग करते हुए 12 ज्योर्तिलिंगों और चार धाम की यात्रा पर निकले अजय विश्वकर्मा का तैकूबेड़ा पहुंचने पर देखने को मिला। अपने पैरों के जूतों में चके लगाये हुये हैं प्रतिदिन 150 किलोमीटर की यात्रा कर जहां रात्रि हो जाती हैं वहीं रुक जाते हैं। खाने पीने के लिए भी बहुत से लोग सहयोग के लिए आगे आ जाते हैं। अजय को अपने घर से निकले हुये एक साल 10 दिन हो गए हैं और अभी तक 17 राज्यों से गुजर चुके हैं। उनका कहना है कि अलग अलग राज्यों में भ्रमण करने के बाद भाषा और लोगों से मिलने के बाद मग्न में आकर एक अलग ही अंदाज में लोगों से मिलना बहुत अच्छा लगा। अपनी यात्रा के साथ ज्योर्तिलिंगों और धार्मिक स्थलों का करीब से दर्शन करने के साथ साथ सनातन संस्कृति के प्रति निष्ठा युवाओं को एक संदेश देना व्यसनों से दूर रहना ही उनका मुख्य उद्देश्य है।

बच्चों की मौत पर भड़का आदिवासी समाज!

कल बालाघाट बंद, हजारों के जुटने का दावा

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के बौहर और परसवाड़ा क्षेत्र के आदिवासी गांवों में बच्चों की मौत के मामले में कोई कार्रवाई नहीं होने से आदिवासी समाज नाराज है। इसी नाराजगी के चलते 3 सितंबर को बालाघाट बंद का ऐलान किया गया है।

आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों ने मंगलवार शाम 6 बजे हड़ताल स्थल पर प्रेस से बात करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बंद के दौरान इमरजेंसी सेवाओं को छूट दी जाएगी, लेकिन व्यापारिक प्रतिष्ठान, परिवहन, बाजार और अन्य सेवाएं बंद रहेंगी। आदिवासी समाज का आरोप है कि दो दर्जन से ज्यादा आदिवासी बच्चों की मौत के बावजूद, प्रदेश सरकार ने जिम्मेदार स्वास्थ्य, पीएचई और महिला एवं बाल



विकास विभाग के अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं की है। समाज का कहना है कि सरकार ने जो मुआवजा दिया है, वह भी बहुत कम है। उनकी मांग है कि सरकार मुआवजा राशि बढ़ाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करे। आदिवासी विकास परिषद के जिलाध्यक्ष दिनेश धुर्वे ने बताया कि यह बंद आंदोलन आदिवासी बच्चों की मौत पर न्याय की मांग को लेकर

किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि इस आंदोलन में बालाघाट के आदिवासी और गैर-आदिवासी समाज के अलावा, मंडला, डिंडोरी, सिवनी, बैतूल और अन्य आदिवासी क्षेत्रों से भी लोग बालाघाट पहुंचेंगे। यहां सभी आदिवासी बच्चों को न्याय दिलाने की मांग करेंगे। ललित उईके, जो 21 अगस्त से लगातार आदिवासी बच्चों को न्याय,

जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई और मृतक परिवारों को आर्थिक मदद की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, उन्होंने बताया कि बंद आंदोलन की शुरुआत हड़ताल स्थल से होगी। इस बंद आंदोलन में शामिल सभी आदिवासी और गैर-आदिवासी समाज के लोग रैली के रूप में शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचेंगे। वहां वे अपनी मांगों को लेकर जापन सौंपेंगे।



# जमीन के 30 फीट नीचे बने रहस्यमयी घर, 1000 साल से रह रहे लोग

ट्यूनिस। जब भी हम किसी के घर की कल्पना करते हैं, तो हमारे दिमाग में ईंट, सीमेंट और छत से बनी एक ऐसी इमारत आती है, जो जमीन के ऊपर खड़ी होती है। लेकिन, दुनिया में एक ऐसी जगह भी है, जहां लोग जमीन के ऊपर घर बनाने के बजाय जमीन के अंदर गड्ढा खोदकर रहते हैं। ये बिल्कुल पाताल लोक का अहसास दिलाता है। हम बात कर रहे हैं ट्यूनीशिया के दक्षिणी इलाके में बसे मातमाता नाम के एक छोटे से गांव की, जो अपनी इसी अनेखी बनावट की वजह से पूरी दुनिया में जाना जाता है। आमतौर पर गर्म इलाकों में लोग गर्मी से बचने के लिए पहाड़ों को काटकर गुफाएं बनाते हैं। लेकिन, मातमाता गांव के बर्बर समुदाय के लोगों ने बिल्कुल अलग तरीका अपनाया। उन्होंने पहाड़ की दीवारों को काटने के बजाय सीधी जमीन में ही एक बहुत बड़ा और गहरा गड्ढा खोद दिया। इस बड़े गड्ढे को वे अपने घर का आंगन बनाते हैं



### आखिर क्यों बनाए पाताल लोक में घर ?

इतिहास के पन्नों को पलटें तो पता चलता है कि यह इलाका लीबिया और ट्यूनीशिया के बीच का एकमात्र मैदानी रास्ता हुआ करता था। इस वजह से पुराने जमाने में विदेशी हमलावर बार-बार यहां से गुजरते थे और लूटपाट मचाते थे। हमलावरों से अपनी जान और माल बचाने के लिए बर्बर समुदाय के लोगों ने सुरक्षा के लिहाज से जमीन के नीचे एक तरह से पाताल लोक में छिपकर रहना शुरू किया। शुरुआत में वे पहाड़ियों पर छिपते थे, लेकिन बाद में जब अरब हमलावरों के साथ उनके रिश्ते सुधरे, तो वे नीचे के मैदानी इलाकों में आए और जमीन के अंदर गड्ढे वाले ये घर बनाने लगे। मातमाता गांव की एक और बड़ी पहचान यह भी है कि इसका कनेक्शन हॉलीवुड से बहुत गहरा है।

और फिर उस गड्ढे की अंदरूनी दीवारों को खोदकर चारों तरफ कमरे तैयार करते हैं। कई बार तो आसपास बने ऐसे कई गड्ढों को आपस में जोड़ने के लिए जमीन के नीचे ही खंदक जैसी सुरंगें बना दी जाती हैं, जिससे यह पूरा इलाका एक बड़ी भूलभुलैया जैसा लगता है। अब सवाल यह उठता है कि जमीन के अंदर इतने बड़े गड्ढे और कमरे खोदना कैसे आसान हुआ? दरअसल, मातमाता का यह पूरा इलाका बलुआ पत्थर की एक ऐसी परत पर बसा है, जो बहुत ही नरम होती है। इसे हाथ के साधारण औजारों से भी आसानी से खोदा जा सकता है। लेकिन, खास बात यह है कि यह पत्थर जितना खोदने में आसान है, सदियों तक बिना गिरे टिके रहने में उतना ही मजबूत भी है। बर्बर समुदाय के लोग पिछले एक हजार से भी ज्यादा सालों से इसी तरीके से जमीन के अंदर अपने आशियाने बनाते आ रहे हैं।

### कुदरत और इंसान की समझदारी का एक बेजोड़ नमूना

दुनिया भर में मशहूर फिल्म स्टार वॉर्स की शूटिंग इसी गांव में हुई थी। फिल्म के मुख्य किरदार ल्यूक स्काईवॉकर का जो घर पदें पर दिखाया गया था, वह असल में मातमाता का ही एक अंडरग्राउंड होटल है, जिसका नाम सिद्धि दिस है। आज भी इस गांव में बहुत से लोग जमीन के नीचे बने इन पारंपरिक घरों में रह रहे हैं। बाहर चाहे कितनी भी भीषण गर्मी या झूलसाने वाली धूप हो, इन गड्ढे वाले मकानों के अंदर का तापमान हमेशा एकदम ठंडा और सुहावना बना रहता है, जो कुदरत और इंसान की समझदारी का एक बेजोड़ नमूना है।

### रोचक खबरें

## सबसे बूढ़ी बिल्ली, लेती है प्रोटीन रिच डाइट, पीती है सिर्फ मिनरल वॉटर!

लंदन। बिल्लियां आमतौर पर 12 से 18 साल तक जीवित रहती हैं। 20 साल पार करना भी दुर्लभ माना जाता है। लेकिन, इंग्लैंड के स्टॉकपोर्ट में एक ऐसी बिल्ली है जिसने 31 साल का आंकड़ा छू लिया है। उसका नाम है मिली। हाल ही में मिली ने अपना 31वां जन्मदिन मनाया और सोशल मीडिया पर उसकी चर्चा जोरों पर है। लोग हैरान हैं कि एक बिल्ली इतनी लंबी उम्र कैसे जी सकती है? मिली एक टॉर्टोइशेल बिल्ली है। उसे 1995 में बिल्ली के बच्चे के रूप में गोद लिया गया था। तब से वह अपने मालिक के साथ रह रही है। मालिक का कहना है कि मिली की लंबी उम्र का राज उसकी खास डाइट और देखभाल में छिपा है। मिली प्रोटीन से भरपूर आहार लेती है जिसमें सैल्मन, प्रॉन्स, चिकन, टूना और अन्य मांस शामिल हैं। पानी की जगह वह सिर्फ बक्सटन मिनरल वॉटर पीती है। इसके अलावा भरपूर नैप्स, ट्रीट्स और ढेर सारा प्यार-दुलार उसकी दिनचर्या का हिस्सा है। सोशल मीडिया पर मिली की तस्वीरें और जन्मदिन की बधाई के पोस्ट वायरल हो रहे हैं। लोग कमेंट में लिख रहे हैं कि 31 साल की बिल्ली देखना सौभाग्य की बात है। कई पेट लवर्स अपनी बिल्लियों की उम्र बता रहे हैं और मिली से तुलना कर रहे हैं। कुछ ने पूछा कि क्या सच में मिनरल वॉटर और प्रोटीन डाइट इतना फर्क डाल सकती है। हालांकि, मिली की उम्र गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा आधिकारिक रूप से सत्यापित नहीं है।

## ग्रूएस में गधे ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड मालकिन बनवा रही तस्वीर वाली टी-शर्ट

वॉशिंगटन। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में रहने वाले 16 साल के एक गधे का नाम अब अधिकारिक तौर पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो गया है। इस खुशी में उसकी मालकिन जेनिफर जी ने पूरे परिवार संग पार्टी की और गधे को गले लगाकर स्पेशल ट्रीट भी दी। इतना ही नहीं, अब वो गधे की तस्वीर वाली टी-शर्ट भी बनवा रही हैं।' गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मुताबिक, इस गधे का नाम हैँक है, जिसने ज़िंदा गधों में सबसे लंबे कान होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। हैँक के कान 17.12 इंच लंबे हैं, जो जॉर्जिया के पिछले रिकॉर्ड-होल्डर गधे 'होप' से लगभग 1.5 इंच लंबे हैं। इसी वजह से हैँक आसानी से यह खिताब जीत गया। जेनिफर बताती हैं, 'हैँक से मेरी पहली मुलाकात 5 साल पहले हुई थी, जब वह बिक्री के लिए दूसरे गधों के साथ रखा गया था। उस वक़्त मैं खुद मेरे पास आ गया था, जैसे उसी ने मुझको मालिकन चुन लिया हो। उसने मेरा साथ तब तक नहीं छोड़ा, जब तक कि मैंने उसे अपने साथ घर ले जाने का फैसला नहीं कर लिया।' जेनिफर ने आगे कहा, 'हैँक बहुत ही चंचल है, शायद इसी वजह से पिछले 5 सालों की दोस्ती में हमारे बीच एक गहरा रिश्ता बन गया। हैँक को सबसे ज्यादा मजा ट्रेल ऑब्सटेकल कॉम्पिटिशन में आता है। लेकिन, मैं उस जहां भी ले गई, लोग हमेशा यही कहते हैं कि उन्होंने इतने बड़े कान पहले कभी नहीं देखे।'

## मर्डर का दोषी भागकर बना सरकारी टीचर, 40 साल बाद फिर पहुंचा जेल

हैदराबाद। हल्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे एक कैदी को दिसंबर 1983 में मात्र 91 दिनों की पैराल मिली थी, लेकिन वो 4 दशक तक जेल से बाहर रहने में कामयाब रहा। इस दौरान ना तो वो अंडरग्राउंड हुआ, ना ही दूसरे देश भागा, बल्कि इस सब के उलट, उसने बाकायदा सरकारी टीचर की नौकरी हासिल की। साल 2004 में बेस्ट टीचर का अवार्ड जीता और फिर साल 2013 में मजे से रिटायर भी हो गया, लेकिन पुलिस को भनक लक नहीं लगी। उसकी गिरफ्तारी के लिए बनाई गई स्पेशल टास्क फोर्स को 16 मई 2024 में उसकी लॉकेशन मिली, जिसके बाद उसे गिरफ्तार करके वापस सेंट्रल जेल भेज दिया गया। तब तक वो कैदी 73 साल का हो गया था। जेल लौटने पर उसकी 27 दिन की जमा की गई छूट (रैमिशन) रद्द कर दी गई और तीन साल तक पैरौल या फलों पर रोक लगा दी गई। इस कार्रवाई के खिलाफ उसकी पत्नी ने तेलंगाना हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और 40 साल की लंबी देरी का हवाला देते हुए पति की उम्र और खराब स्वास्थ्य के आधार पर मेडिकल पैरौल की मांग की। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी वकील ने हाई कोर्ट में इस याचिका का विरोध करते हुए कहा, 'पैरौल कोई जन्मसिद्ध अधिकार नहीं है। अगर कोई कैदी पैरौल की बातें तोड़ता है, तो उसे सजा मिलना तय है। जब यह कैदी पैरौल खत्म होने के बाद वापस नहीं लौटा था, तब पुलिस अधीक्षक को कई चिट्ठियां लिखी गई थीं और अंत में उसे पकड़ने के लिए खास टीम बनाई गई थी, जिसने अब उसे गिरफ्तार किया है। उसने खुद सरेंडर नहीं किया है। ऐसे में पैरौल नहीं दी जानी चाहिए।' हाई कोर्ट ने राहत देने से किया इनकार जस्टिस टी माधवी देवी ने इस केस की सुनवाई करते हुए कहा कि यह कैदी अपने जीवन का सबसे बेहतरीन समय जेल से बाहर बिताने में कामयाब रहा है। उसने अपनी सजा की बात छिपाकर धोखे से सरकारी नौकरी हासिल की और सारे फायदे उठाए। कोर्ट ने साफ कहा कि 40 साल तक किसी कैदी का इस तरह गायब रहना और बिना रोक-टोक सरकारी नौकरी करना, बिना गार्ड के पैरौल देने वाले जेल प्रशासन की व्यवस्था की पोल खोलता है। स्वास्थ्य के आधार पर मांगी गई पैरौल को भी कोर्ट ने यह कहकर ठुकरा दिया कि जेल में इलाज की पूरी सुविधा मौजूद है।

## अरब देशों पर खतरे की घंटी

रियाद। जलवायु परिवर्तन अरब दुनिया में एक बड़े खतरे की घंटी बजा रहा है। पूरे अरब जगत में पानी की कमी, खराब होती फसलें और खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतों पर जलवायु परिवर्तन का असर साफ दिख रहा है। इस इलाके में पहले से ही पानी की भारी कमी है। अब जलवायु परिवर्तन की वजह से भुखमरी और मानवीय संकट के प्रति और बहुत ज्यादा संवेदनशील होता जा रहा है। इस स्थिति को लेकर एक्सपर्ट ने चेताया है। खाड़ी सहयोग परिषद देशों के लिए संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन के कोऑर्डिनेटर अहमद मुख्तार ने बताया है कि प्रति व्यक्ति ताजे पानी की उपलब्धता के मामले में अरब दुनिया का सबसे ज्यादा पानी की कमी वाला इलाका है। यहां खेती के लायक जमीन 5 प्रतिशत से कम है और रेगिस्तान का दायरा तेजी से बढ़ रहा है।

## पहली बार दिखी कैंकड़ों की रानी! काला नहीं, बैगनी है उसका रंग

#### बैगनी कैंकड़े की तस्वीरें हुई वायरल

बैँकाक। आपने अपनी ज़िंदगी में कई बार कैंकड़े देखे होंगे। इसमें छोटे-बड़े, काले या भूरे रंग के कैंकड़े शामिल हैं। लेकिन, थाईलैंड के एक तस्वीरें खींचीं में हाल ही में ऐसा कैंकड़ा देखा गया, जिसने सबका ध्यान खींच लिया। इसका रंग सामान्य काला नहीं, ब l क खू ब सूर त बैंगनी है। रेंजर्स ने इसे 'कैंकड़ों की रानी' जैसा अनमोल नजारा बताया और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गईं।

#### कहां और कैसे दिखी?

थाईलैंड के कैंग क्रायन नेशनल पार्क के फानोएन थुंग चेतफाईंग पर रेंजर्स ने इस ब्लूम कैंकड़ की तस्वीरें खींचीं। पार्क हर साल 1 अगस्त से 31 अक्टूबर तक बंद रहता है। बंद होने से ठीक पहले के दिनों में यह नजारा मिला। पार्क चीफ मोंगकोल चैयाफाकड़ी ने इसे प्रकृति का अनमोल उपहार बताया। इस प्रजाति को 'प्रिंसेस क्रैब' या 'सिरिधर्न क्रैब' या पांडा क्रैब भी कहा जाता है।

## बरसात के पानी को जमा करने की निंजा टेक्निक

किंगाली। दुनिया भर में पीने के पानी की किल्लत एक गंभीर समस्या बन चुकी है। कई देशों में सूखे की खबरें आती रहती हैं, भूजल स्तर लगातार गिर रहा है और लोग दूर-दूर से पानी लाने को मजबूर हैं। रन वॉटर हार्वैस्टिंग यानी बारिश के पानी को जमा करने पर जोर दिया जाता है, लेकिन कई जगहों पर इसे अनदेखा कर दिया जाता है। रवांडा ने इस मामले में एक मिसाल पेश की है। यहां के ज्यादातर घरों की छतें ऐसी बनाई गई हैं कि बरसात का एक भी बूंद व्यर्थ नहीं जाता। रवांडा की ये तकनीक बेहद सरल, लेकिन असेरदार है। घरों की छतों को विशाल कलेक्शन फनल



यानी चोंगे के आकार में डिजाइन किया गया है। छत का ढलान इस तरह रखा गया है कि बारिश का पानी चारों तरफ से एक केंद्रीय चैनल में इकट्ठा होता है और पाइप के जरिए सीधे भूमिगत टैंकों में पहुंच जाता है। नतीजा ये होता है कि बरसात का पानी घर की टंकी में सुरक्षित जमा हो जाता है और जब जरूरत हो तब इस्तेमाल किया जा सकता है।

किल्लत में दूढ़ रहे जुगाड़ - रवांडा अफ्रीका का एक छोटा लेकिन प्रगतिशील देश है। यहां पहाड़ी इलाके ज्यादा हैं और बारिश का पेटर्न मौसमी होता है। कुछ महीनों में अच्छी बारिश हो जाती है तो कुछ समय सूखा पड़ सकता है। ऐसे में बारिश के पानी को सहेजना बेहद जरूरी हो जाता है। सरकार और नागरिक दोनों इस दिशा में जानरूक हैं। कई इमारतों में रन वॉटर हार्वैस्टिंग सिस्टम को बढ़ावा दिया जा रहा है। तकनीकी की खास बात ये है कि इसमें मलिन्य की कोई जटिल मशीनरी नहीं लगती। स्मार्ट डिजाइन, स्थानीय सामग्री और प्रकृति के साथ तालमेल से काम चल जाता है। छत को थोड़ा ढलवां और केंद्र की तरफ पानी इकट्ठा करने लायक बनाया जाता है।

## नासा बनाएगा ब्रह्मांड का सबसे बड़ा 3डी नक्शा

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष को देखने के लिए वैज्ञानिकों को एक नई आंख मिल गई है। नासा ने 'रोमन स्पेस टेलीस्कोप' को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है। यह टेलीस्कोप रविवार को अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित नासा के केंनेडी स्पेस सेंटर के लॉन्च कॉम्प्लेक्स 39ए से स्पेस-एक्स के फाल्कन हेवी रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष के लिए रवाना हुआ है। यह हबल और जेम्स वेब के बाद सबसे ताकतवर दूरबीन है, जो अंतरिक्ष में अनसुलझे रहस्यों को सुलझाने में बड़ी मदद करेगी। यह ऑब्जर्वैटरी पृथ्वी से करीब 15-16 लाख किलोमीटर दूर अंतरिक्ष में 'लैंग्रेंज पॉइंट-2' (एल 2) पर लगाई जाएगी। यह वही जगह है, जहां नासा का मशहूर जेम्स वेब टेलीस्कोप मौजूद है। हबल और जेम्स वेब के बाद इसे अंतरिक्ष में इंसान की तीसरी सबसे बड़ी और ताकतवर 'आंख' माना जा रहा है, जिससे वैज्ञानिक ब्रह्मांड के गहरे रहस्यों को आसानी से समझ सकेंगे।

अरबों गैलेक्सियों को देखेगा नैन्सी ग्रेस रोमन स्पेस टेलीस्कोप, खोजेगा दूसरी दुनिया



### नैन्सी ग्रेस रोमन स्पेस टेलीस्कोप क्या काम करेगा?

ब्रह्मांड के फैलाव का राज खोलेगा: दुनिया तेजी से क्यों फैल रही है, उस रहस्यमयी और अद्भूत ताकत (डार्क एनर्जी) को समझेगा। अद्भूत शक्ति की पहचान: अंतरिक्ष में जो चीजें हमें दिखाई नहीं देतीं, लेकिन सब कुछ थामे रखती हैं (डार्क मैटर), उनका नक्शा बनाएगा। ब्रह्मांड का 3डी नक्शा: 2 अरब से ज्यादा आकाशगंगाओं को स्कैन करके अंतरिक्ष का अब तक का सबसे बड़ा और साफ 3D नक्शा

तैयार करेगा।

हजारों नए ग्रहों की तलाश: हमारे सौरमंडल के बाहर मौजूद हजारों नए और अनजान ग्रहों को खोज निकालेगा। तारों के पीछे छिपे ग्रहों की तस्वीरें: तारों की तेज चमक को ढकाकर उनके पीछे छिपे बेहद धुंधले ग्रहों की सीधी फोटो खींचेगा। तारों के बिसफोट पर नजर : अंतरिक्ष में जब कोई बड़ा तारा धमाके के साथ खत्म होता है (सुपरनोवा), यह उस

पर नजर रखकर दूरियों का हिसाब लगाएगा।

हमारी अपनी आकाशगंगा की पड़ताल: जिस गिल्की वे में हम रहते हैं, उसके बीच के घने और अंधेरे हिस्से की गहराई से जांच करेगा। आकाशगंगाओं के जन्म की कक्षाओं: अरबों साल पहले आकाशगंगाएं कैसे बनीं और समय के साथ कैसे बदलती गईं, इसका पूरा इतिहास निकालेगा।

# महिला ने बालों से उठाया 75 किलो वजन, बनाया विश्व रिकॉर्ड

मेक्सिको। बाल महिलाओं के श्रृंगार का सबसे अहम हिस्सा होते हैं, जो उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। हालांकि, कुछ महिलाएं इन्हीं बालों को अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लेती हैं। ऐसा ही कमाल मेक्सिको की रहने वाली एक पॉर्नलिफ्टर महिला ने कर दिखाया है। आपको जानकर हैरानी होगी कि उन्होंने महज अपने बालों के जरिए 75 किलोग्राम का वजन उठाया है। ऐसा करके उन्होंने अपना नाम गिनीज बुक में शामिल कर लिया है।

मेक्सिको के पोटाोसी स्थित सैन लुइस की रहने वाली डायना एलिजाबेथ ब्रैट्स की रहने वाली डायना एलिजाबेथ ब्रैट्स



हर्मोसिलो ने यह हैरतअंगेज कारनामा कर दिखाया। वह पेशे से एक प्रतिभाशाली सर्कस कलाकार भी हैं। उन्होंने 28 फरवरी, 2026 को ले पाज थिएटर में यह रिकॉर्ड कायम किया।

#### कैसे कर पाई यह काबिले तारीफ कारनामा ?

तैयारी के दौरान एलिजाबेथ ने जिम में रखा भारी डिस्क को एक स्टील की चेन में जोड़ा था। ऐसा करके उन्होंने एक ऐसा उपकरण बना लिया, जिसे वह अपनी चोटियों से जोड़ सकती थीं। धीरे-धीरे करके उन्होंने वजन बढ़ाना शुरू किया और रोजाना अभ्यास भी करती रहीं। रिकॉर्ड प्रयास से पहले उन्होंने बालों की 2 बराबर भागों में बाँटकर 2 चोटियां बनाईं और उन्हें एक रखर बैंड से एक साथ जोड़ा। इसके बाद उन्होंने चेन लटकाकर वजन को उठाया।

### क्या है नैन्सी ग्रेस रोमन स्पेस टेलीस्कोप ?

यह नासा की अगली पीढ़ी की शक्तिशाली अंतरिक्ष दूरबीन है। इसका आकार एक बड़ी बस जितना है। इस टेलीस्कोप का नाम नासा की पहली चीफ एस्ट्रोनॉमर 'नैन्सी ग्रेस रोमन' के नाम पर रखा गया है। अंतरिक्ष जगत में उन्हें 'मदर ऑफ हबल' भी कहा जाता है। उन्होंने ही 1960 के दशक में अंतरिक्ष में दूरबीनें भेजने की नींव रखी थी। नासा के इतिहास में यह पहला मौका है जब किसी बड़े स्पेस टेलीस्कोप का नाम किसी महिला वैज्ञानिक के नाम पर रखा गया है।

पर नजर रखकर दूरियों का हिसाब लगाएगा।

हमारी अपनी आकाशगंगा की पड़ताल: जिस गिल्की वे में हम रहते हैं, उसके बीच के घने और अंधेरे हिस्से की गहराई से जांच करेगा। आकाशगंगाओं के जन्म की कक्षाओं: अरबों साल पहले आकाशगंगाएं कैसे बनीं और समय के साथ कैसे बदलती गईं, इसका पूरा इतिहास निकालेगा।

#### एलिजाबेथ का दूसरा करतब देख लीं हैरान ये लोग

एलिजाबेथ ने न केवल बालों से 75.35 किलोग्राम वजन उठाया, बल्कि उसे 14 सेकंड तक उठाए रखने में कामयाब भी रहीं। एलिजाबेथ यहीं नहीं रुकीं, बल्कि उन्होंने उसी रात एक और हैरतअंगेज करतब कर दिखाया। अपने इस शानदार प्रदर्शन के बाद वह एक बार फिर मंच पर लौटीं और अपने पूरे शरीर का वजन हवा में केवल अपने बालों की ताकत से लटकाने रखा। इस कारनामे ने भी लोगों को दाँतो तले उंगलियां दबा लीं पर मजबूर कर दिया था।